# भजन

तर्जः– मेरी सब कोशिशें नाकाम

तन्हा ना कोई हो ये दुआ है मेरी,रुसवा ना कोई हो ये दुआ है मेरी
जैसा मुझे दीवाना किया उल्फत ने,ऐसा ही करे सबको दुआ है मेरी

मेरी ये हसरत थी पिया मेरे, तुमको पाने की
कहाँ से लाऊँ पिया मेरे अदा वो, तुझको रिझाने की

1) मैं गैरों में भी रहकर के, हमेशा पास हूँ तेरे
मैं यूँ खुश हूँ मिली खुशबू मुझे, अपने मयखाने की

2) मैं तेरी हूँ तू है मेरा, जुदा अब हो नहीं सकते
कहें किसको बात अपनी हम उस, खिलवत खाने की

3) ना होती है जहाँ पर जुदाई, वहाँ हम साथ रहते हैं
न होती है पिया फुरसत नजर से, दूर जाने की।